संपादकीय

रक्षकों की रक्षा

इसमें दो राय नहीं कि सीमित संसाधनों व पर्याप्त चिकित्सा सुविधा के अभाव में भी देश के डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी प्राणपण से कोविड-19 की महामारी से जूझ रहे हैं। पहले से पस्त चिकित्सातंत्र और मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या के बीच स्वास्थ्यकर्मियों पर दबाव लगातार बढ़ रह है। इतना ही नहीं, मरीज को न बचा पाने पर उपजी तीमारदारों की हताशा की प्रतिक्रिया भी डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को झेलनी पड़ती है। जब पहली लहर में पीपीए किट व संक्रमणरोधी मास्क न थे, तब भी फ्रंटलाइन वर्कर सबसे आगे थे। कृतज्ञ राष्ट्र ने तब इनके सम्मान में ताली-थाली भी बजाई। दीये भी जलाये। हवाई-जहाजों व हेलीकॉप्टरों से फूल भी बरसाये। निस्संदेह इन कदमों का प्रतीकात्मक महत्व है। लेकिन इससे कठोर धरातल की हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। हमारी चिंता का विषय यह भी होना चाहिए कि देश के एक-चौथाई स्वास्थ्यकर्मियों का अभी टीकाकरण नहीं हो पाया है। कोरोना महामारी के खिलाफ कारगर लड़ाई लड़ने वाले उच्च जोखिम समूह को जनवरी से वैक्सीन लगाने में प्राथमिकता मिली थी। लेकिन तब कई तरह की शंकाएं इस बिरादरी में थी। लेकिन दूसरी मारक लहर ने तमाम नकारात्मकता के बीच वैक्सीन लगाने के प्रति देश में जागरूकता जगाने का काम जरूर किया है। अब राज्यों के मुखियाओं से लेकर आम आदमी तक में वैक्सीन लगाने की होड़ लगी है। बहरहाल, इसके बावजूद बकौल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी आईएमए, इस साल अब तक 270 डॉक्टरों ने महामारी की दूसरी लहर में दम तोड़ा है, जिसमें अनुभवी व युवा चिकित्सक भी शामिल हैं। इनमें देश में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने वाले व पद्म पुरस्कार विजेता डॉ. के.के अग्रवाल भी शामिल हैं जो कोविड संक्रमित होने के बावजूद रोगियों के साथ टेली-कंसल्टिंग कर रहे थे। ऐसे अग्रिम मोर्चे के नायकों की लंबी सूची है, जिसमें डॉक्टर-स्वास्थ्यकर्मी अपने परिवार को जोखिम में डालकर रोज कोविड मरीजों को बचाने के लिये घर से निकलते हैं। विडंबना यह है कि देश के नीति-नियंताओं ने सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने को कभी भी अपनी प्राथमिकता नहीं बनाया। वहीं जनता के स्तर पर यही कमी रही है कि वे छोटे हितों के जुमले पर तो वोट देते रहे, लेकिन जनप्रतिनिधियों पर इस बात के लिये दबाव नहीं बनाया कि पहले चिकित्सा व्यवस्था को ठीक किया जाये। यह विडंबना है कि देश में डाक्टर व रोगी का अनुपात एक के मुकाबले 1700 है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित एक अनुपात 1100 से बहुत कम है। ऐसे में संकट के इस दौर में अनुभवी डॉक्टरों की मौत हमारा बड़ा नुकसान है, जो पहले से चरमराती स्वास्थ्य प्रणाली के लिये मुश्किल पैदा करने वाला है। निस्संदेह जब तक स्वास्थ्यकर्मियों को हम वायरस के खिलाफ सुरक्षा कवच उपलब्ध न करा पाएंगे, तब तक जीवन रक्षक ठीक तरह से काम नहीं कर पायेंगे। बकौल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इस साल मरने वाले डॉक्टरों में बमुश्किल तीन फीसदी को टीके की दोनों डोज लगी थीं। निस्संदेह अधिकारियों को स्वास्थ्यकर्मियों के टीकाकरण हेतु व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बीते साल कोरोना संक्रमण की पहली लहर के दौरान देश में 748 डॉक्टरों की मौत हुई थी। ऐसे में यदि सब के लिये टीकाकरण का अनुपालन सुनिश्चित नहीं किया जाता तो इस साल यह संख्या बढ़ भी सकती है। इसकी वजह यह है कि दूसरी लहर में संक्रमण दर में गिरावट के बावजूद मृत्युदर बढ़ी हुई है। आशंका जतायी जा रही है कि तीसरी लहर और घातक हो सकती है। इस संकट के दौरान उच्च जोखिम वाले समूह में श्मशान घाट पर काम करने वाले लोग भी शामिल हैं, जिनकी केंद्र-राज्य सरकारों ने अनदेखी की। पीपीए किट के बिना दैनिक वेतन पर काम करने वाले ये लोग कोविड पीड़ितों के शवों का अंतिम संस्कार कर रहे हैं।

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के फैलने के बाद से एलएंडटी ने कार्यबल को जोड़े रखने के लिये प्रयास तेज किये : कंपनी सीईओ

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग और निर्माण कंपनी लार्सन एंड टूब्रो ने (एल एंड टी) ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के फैलने के बाद से अपने कार्यबल को जोड़े रखने के प्रयास तेज कर दिये हैं। कंपनी ने कहा कि महामारी के दौरान चिकित्सा सुविधाएं और अन्य उपायोंके जरिये वह विभिन्न परियोजनाओं पर अनुबंध पर काम कर रहे 2,45,000 श्रमिकों में से करीब 70 प्रतिशत को जोड़े रखने में कामयाब रही है। कोरोना वायरस महामारी की पहली लहर के दौरान

भी कंपनी को इसी प्रकार की स्थिति का सामना करना पड़ा था। उस समय महामारी की रोकथाम के लिये लगाये गये देशव्यापी 'लॉकडाउन' से श्रमिक अपने घरोंको लौट गये थे। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक एसएन सुब्रमणियम ने कहा, ''पिछले साल कोविड-19 महामारी की पहली लहर के दौरान काफी संख्या में श्रमिक अपने गांवों और शहरों को लौट गये थे। हम अपने प्रयासों से उनमें से कइयों को काम पर वापस लाने में सफल रहे।'' मौजूदा स्थिति के बारे में उन्होंने कहा, ''मार्च अंत तक करीब 2,45,000 श्रमिक हमारी विभिन्न परियोजना स्थलों पर काम कर रहे थे। यह संख्या घटकर अब 1,71,000 पर आ गयी है। यानी कुछ श्रमिक अपने घरों को चले गये हैं। लेकिन हमने उन्हें यह बताने के लिये वे यहां पूरी तरह सुरक्षित हैं, परियोजना स्थलों के साथ श्रमिकों के रहने वाले स्थानों पर चिकित्सा सुविधा समेत कई कदम उठाये हैं।'' सुब्रमणियम ने कहा कि श्रमिकों को वापस आना चाहिए क्योंकि इस बार महामारी दूरदराज के क्षेत्रों में फैल रही है और ऐसी जगहों पर चिकित्सा संबंधी ढांचागत सुविधाओं के अभाव में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कई राज्य सरकारें भी लोगों से आग्रह कर रहे हैं कि वे जहां हैं, वहीं रहें। क्योंकि लोगों की आवाजाही से संक्रमण बढ़ने का जोखिम है। एल एंड टी के प्रबंध निदेशक ने कहा कि महामारी की रोकथाम के लिये विभिन्न राज्यों खासकर पश्चिमी और दक्षिण राज्यों में 'लॉकडाउन' के दौरान लोगों की आवाजाही पर अंकुश लगाने के लिये कदम उठाये गये। इससे भी लोगों के एक जगह से दूसरी जगह जाने पर लगाम लगा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारों के इन उपायों से श्रमिकों को उसी स्थान पर रखने में मदद मिली है, जहां वे रह रहे हैं। सुब्रमणियम ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि अगर मामले कम होते हैं, हम कर्मचारियों को जोड़े रखने और आगे बढ़ने में कामयाब होंगे।'' एल एंड टी ने कहा कि मार्च 2021 की स्थिति के अनुसार हमारी विभिन्न परियोजनाओं में अनुबंध पर 2,45,000 श्रमिक कार्य कर रहे थे। कंपनी शिविरों मेंचिकित्सा सुविधाओं और साफ-सफाई की व्यवसथा कर फिलहाल करीब 70 प्रतिशत कामगारों को जोड़े रखने में कामयाब रही है।

रिलायंस देगा एम्बुलेंस और ऑक्सीजन सिलेंडर की गाड़ी को मुफ्त तेल

जींद । कोरोना महामारी में रिलायंस द्वारा अनूठी पहल शुरू करते हुये देश में स्थित अपने पेट्रोल पम्पों पर हर रोज 50 लीटर पेट्रोल और डीजल कोविड-19 मरीज को लेकर जाने वाली एम्बुलेंस और ऑक्सीजन सिलेंडर वाली गाड़ी को मुफ्त देने का निर्णय लिया है।

उचाना रिलायंस पम्प डीलर महीपाल खेड़ी मंसानिया ने बताया कि रिलायंस के मालिक अनिल अम्बानी ने कोरोना महामारी में यह अनूठी पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि जिला उपायुक्त और मुख्य चिकित्सा अधिकारी(सीएमओ) को इस सम्बंध में पत्र भी कम्पनी की तरफ से भेजे गए है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन सिलेंडर ले जाने वाली गाड़ी को मुफ्त तेल लेने के लिये सीएमओ से पत्र लिखवा कर लाना होगा।

भारतीय निवेशकों को बड़ा झटका, आरबीआई के आदेश के बाद पेटीएम ने क्रिप्टोकरंसी ट्रांजेक्शन पर लगाई रोक

नई दिल्ली । अमेरिका और चीन के बाद अब भारत में पेटीएम बैंक ने क्रिप्टोकरंसी ट्रांजेक्शन रोकने का एलान किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आदेश के बाद बैंक ने क्रिप्टोकरंसी में ट्रांजेक्शन बंद करने का फैसला किया है। क्रिप्टोकंसी बंद होने से उन निवेशकों को गहरा धक्का लगेगा जिन्होंने इसमें निवेश किया था, क्योंकि उनका पैसा क्रिप्टो मार्केट में फंस जाएगा। अलग-अलग क्रिप्टो एक्सचेंज के डाटा के अनुसार करीब डेढ़ करोड़ भारतीयों ने क्रिप्टोकरंसी बाजार में 15 हजार करोड रुपए का निवेश किया

है। यह निवेश वजीर एक्स, कॉइन स्विच जैसी एप्लिकेशन के जरिए किया गया है। बिटकॉइन अपने उच्चतम स्तर 42 हजार पर पहुंचकर शुक्रवार को धड़ाम से निची आ गिरी। इसमें 10 फीसदी की गिरावट आई और यह 36876 तक पहुंच गया।

अमेरिका और चीन इसी हफ्ते इस पर सख्ती लगाई है। चीन ने अपने बैंकों, वित्तीय संस्थानों और पेमेंट कंपनियों को क्रिप्टो करेंसी लेनदेन से संबधित सेवाओं पर रोक लगा दी है। साथ ही, निवेशकों को क्रिप्टो ट्रेडिंग को लेकर चेतावनी दी है। यहां के विशेषज्ञों ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी की कीमतें आसमान छू रही हैं । इससे सट्टा व्यापार तेजी से बढ़ता जा रहा है। इससे आम लोगों की संपत्ति की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा है।

चीन की पाबंदी के बाद बिटकॉइन में गिरावट के बाद यूनिस्वैप और अन्य क्रिप्टो करेंसी में भी 20 फीसदी तक गिरावट दर्ज की। दरअसल, चीन को अनुमान है कि अगर क्रिप्टो करेंसी का चलन तेजी से बढ़ गया तो इससे शेयर बाजार, वित्तीय संस्थाएं समेत अन्य वित्तीय लेनदेन प्रभावित होंगी। इसलिए चीन ने इसे रोक लगाने का फैसला किया है। अमेरिका के वित्तीय विभाग ने क्रिप्टो करेंसी में हो रहे निवेश पर नियंत्रण के लिए क्रिप्टो करेंसी में किए जाने वाले 10 हजार डॉलर के ऊपर के निवेश की जानकारी इंटरनल रैवेन्यू सर्विस को देने को बनाया है।

सोने में निवेश बढ़ा रहे निवेशक, अप्रैल में स्वर्ण बचत कोष में 864 करोड़ रुपये का प्रवाह

नई दिल्ली । कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के कारण अनिश्चित आर्थिक माहौल के बीच निवेशक सोने में निवेश बढ़ा रहे हैं। स्वर्ण बचत कोष और गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में अप्रैल में 864 करोड़ रुपये निवेश किये गये। क्वांटम म्यूचुअल फंड में वरिष्ठ कोष प्रबंधक (अल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट्स) चिराग मेहता ने कहा कि सोने से जुड़े कोष में निवेश प्रवाह 2021-22 में बने रहने की उम्मीद है। इसका कारण इस अनिश्चित माहौल में निवेशकों के विभिन्न उत्पादों में निवेश के मुकाबले सोने में अभी भी काफी कम पैसा लगा हुआ है। स्वर्ण बचत कोष और गोल्ड ईटीएफ में अप्रैल महीने में क्रमशः 184 करोड़ रुपये और 680 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रवाह हुआ है। आंकड़े के अनुसार 2020-21 में स्वर्ण कोष में 3,200 करोड़ रुपये जबकि गोल्ड ईटीएफ में 6,900 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ था। ''इस साल कोरोना वायरस संक्रमण में तीव्र वृद्धि को देखते हुए मौजूदा माहौल में संपत्ति के रूप में सोने का प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद है। निवेशकों की इस संपत्ति को लेकर रूचि बनी हुई है।'' क्वांटम म्यूचुअल फंड के मेहता ने यह भी कहा कि निवेशक अब गोल्ड ईटीएफ या स्वर्ण बचत कोष में निवेश को तरजीह दे रहे हैं।

एक बार फिर आगे बढ़ी ब्रह्मास्त्र फिल्म की रिलीज डेट, मेकर्स की ऐसी है प्लानिंग

देश में कोरोना वायरस का कहर साल 2020 की शुरुआत से लगातार बना हुआ है। पिछले साल जब देश में कोरोना की शुरूआत हुई थी तो उस वक्त सभी को इस बात की उम्मीद थी कि आगे आने वाला साल बेहतर होगा। लेकिन साल 2021 में भी कोरोना वायरस का कहर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। साल 2020 के मुकाबले इस साल महामारी अब विकराल रूप ले चुकी है। अब तक ना जाने कितने लोगों की मौत भी कोरोना वायरस की वजह से हो चुकी है। यही कारण है कि देश के अलग-अलग राज्यों ने लॉकडाउन का ऐलान किया है। जिसकी वजह से आम जनजीवन के साथ कई बड़ी इंडस्ट्रीज भी प्रभावित हो रही है। इस लिस्ट में फिल्म इंडस्ट्री भी आती है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लॉकडाउन की वजह से पिछले डेढ़ साल से फिल्म की रिलीज अटकी है। इसी लिस्ट में अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म ब्रह्मास्त्र भी शामिल है। फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग पिछले काफी समय से चल रही थी और ऐसा कहा जा रहा था कि 2021 में रिलीज कर दी जाएगी।

लेकिन अब कोरोना की वजह से देशभर के सिनेमा हॉल बंद है फिल्मों की शूटिंग नहीं की जा रही है। ऐसे में अब एक बार फिर से फिल्म की रिलीज को मेकर्स ने आगे बढ़ाने का प्लान किया है। खबरों में कहा जा रहा है कि, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र की रिलीज को भी लेकर आगे बढ़ाने की प्लानिंग की है। फिल्म साल 2022 तक के लिए आगे बढ़ चुकी है।

फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना काल की वह से इसकी शूटिंग पूरी नहीं हो पाई है। फिल्म ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर के अलावा आलिया भट्ट, अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय, नागार्जुन और डिंपल कपाड़िया जैसे कलाकार मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। ब्रह्मास्त्र का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन तले किया जा रहा है।

ऐसी फिल्में चाहता हूं जिसपर 50 साल बाद गर्व कर सकूं : राजकुमार

राजकुमार राव को भारत के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक माना जाता है। उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने ऐसे किरदार निभाएं हैं जिसने बॉलीवुड नायक को फिर से परिभाषित किया है। अभिनेता ने अपनी फिल्मोग्राफी के बारे में साझा किया कि वह किय तरह की फिल्में करना चाहते हैं।

अपने अब तक के 11 साल के बॉलीवुड सफर में राजकुमार ने काई पो चे!, शाहिद, अलीगढ़, सिटीलाइट्स, बरेली की बर्फी, न्यूटन, स्त्री और द व्हाइट टाइगर सहित कई जीवन की विशेषताओं

से जुड़ी फिल्मों में अभिनय किया है। अभिनेता ने कहा कि शुक्रवार का दबाव उन्हें असुरक्षित महसूस नहीं कराता। मैं बहुत सुरक्षित महसूस करता हूं। मैं शुक्रवार का दबाव नहीं लेता। मेरा मानना है कि कुछ फिल्में जीवन के लिए होती हैं और कुछ बॉक्स ऑफिस और जीवन दोनों के लिए होती हैं, जैसे स्त्री।

उन्होंने कहा, मैं सिर्फ अच्छी फिल्में करना चाहता हूं। यही एकमात्र तरीका है जिससे मैं चाहता हूं कि मेरी फिल्मोग्राफी (बनी हुई) फिल्में हो, जिसपर मुझे गर्व हो और जब मैं 50 साल बाद वापस लौटू और कहूं कि ये सभी वह फिल्में हैं, जो मैंने की है और यह सब खास हैं।

36 वर्षीय अभिनेता को हाल ही में हॉरर कॉमेडी रूही में देखा गया था। उनके पास बधाई दो और हम दो हमारे दो फिल्में हैं। उनका कहना है कि वह चाहते हैं कि हर साल कुछ बेहतरीन फिल्में हों जहां वह बेहतरीन किरदार निभा सकें।

अनिल कपूर ने किया अपने वीकेंड प्लान का खुलासा

बॉलीवुड के अभिनेता संजय कपूर जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आने वाले हैं। संजय कपूर की वेब सीरीज का टाइटल द लास्ट आवर है। ये एक सुपरनैचुरल क्राईम ड्रामा वेब सीरीज है। जो जल्द ही अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है। द लॉस्ट आवर वेब सीरीज में मुख्य किरदार के रूप में संजय कपूर नजर आने वाले हैं। बता दें कि द लॉस्ट आवर वेब सीरीज में संजय कपूर एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आने वाले हैं। जो एक मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करते हुए दिखाई देंगे। अभिनेता संजय कपूर की वेब

सीरीज द लॉस्ट आवर का ट्रेलर बीते दिनों रिलीज किया गया था।

जो काफी ज्यादा सुर्खियों में बना हुआ था। द लॉस्ट आवर वेब सीरीज के ट्रेलर को काफी पसंद किया गया था। इसी बीच अब संजय कपूर के भाई अभिनेता अनिल कपूर भी उनकी वेब सीरीज को लेकर इन दिनों काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

बनाएं जायकेदार पालक पत्ते की चाट

पालक हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है इससे तो आप वाकिफ होंगे ही, तो सब्जी, साग के अलावा एक और तरह से इसका जायका ले सकते हैं और वो है चाट। तो आइए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

सामग्री :

1 कप बेसन, नमक, 8-9 पालक के पत्ते, 2 कप पानी, तलने के लिए तेल

❖ **अन्य सामग्री-** थोड़ा दही, काला नमक, जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, थोड़ा कटा प्याज, थोड़ी सी इमली की चटनी, थोड़ी सी धनिए की चटनी, कुछ अनार के दाने, थोड़े से सेव नमकीन

विधि :

❖ एक बोल में बेसन में नमक, लाल मिर्च पाउडर, हरी मिर्च, अजवाइन और पानी डालकर गाढ़ा घोल तैयार करें।

❖ कड़ाही में तेल गर्म करें। पालक के पत्ते को साफ कर लें। इसे बैटर में डालकर निकालें और सीधा कड़ाही में तलें। ध्यान रखें कि एक-एक पत्ते को बैटर में डुबोकर फिर कड़ाही में डालना है।

❖ प्लेट में क्रिस्पी पालक के पत्ते को रखें। इस पर दही, जीरा पाउडर, काला नमक, लाल मिर्च पाउडर, धनिए और इमली की चटनी डालें।

❖ ऊपर से अनार के दाने, चाट मसाला और सेव डालकर तुरंत सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 88

बाएं से दाएं
1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे
1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

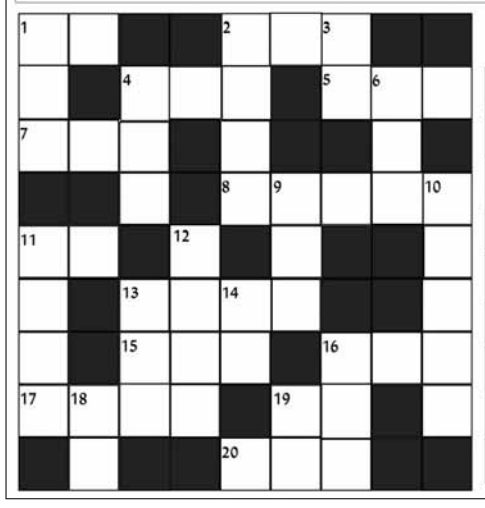

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 87 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्री
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौं	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

सू-दोकू- 88

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 87 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

आज का राशिफल

मेष : दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी।

वृषभः मेहनत सफल रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

मिथुनः पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे।

कर्कः यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

सिंहः फालतू खर्च होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। वस्तुएं संभालकर रखें। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी।

कन्याः डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

तुलाः घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें। प्रसन्नता रहेगी। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा।

वृश्चिकः राजकीय बाधा दूर होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

धनुः वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी। आय कम होगी। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

मकरः राजकीय बाधा दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। प्रमाद न करें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

कुंभः संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। शत्रु परास्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें।

मीनः यात्रा मनोरंजक रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है।